आये मेरी माँ के पावन नवराते

तर्ज - छू कर मेरे मन को किया

आये मेरी माँ के पावन नवराते
घर घर मे होंगे , मैया के जगराते
आये मेरी माँ .....

दर्श बिना मुझको , आये न माँ अब चेन
माँ तुमसे मिलने को , तेरा लाल हुआ बेचैन
गिन गिन के गुजारे , माँ हमने दिन राते
आये मेरी माँ .....

जिस घर आये माँ , उस घर का भाग्योदय
छाये वहाँ खुशहाली , ये कहता आज अजय
दिलबर माँ के दर से , पाई है सौगाते
मैया के दर से , मिली " दिलबर ' कई सौगाते
आये मेरी माँ .....

दिलीप सिंह सिसोदिया
" दिलबर "
नागदा जक्शन म.प्र.

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/18709/title/aaye-mari-maa-ke-paawn--navrate

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |